॥ श्री ॥

श्रीक्षेत्र मूल गोदावरी के उपाध्याय

कै. वे. मू. पंडीत सदाशिव हरी सरडे

पुत्रः पंडीत भास्कर, गिरीष और सतीश सरडे

पौत्रः वे. पंडीत श्रीहरी, अभय और भूषण सरडे

मकान नं. 9, सांब सदाशिव स्मृती, पांच गली, श्रीराम मंदिर के पास, त्र्यंबकेश्वर, जि. नाशिक- 422212 (महाराष्ट्र)

फोनः (02594) 233081, मोबाईलः 9921380230 / 9422268581

* फोन करनेका समयः– दोपहर 4 से रात 10 बजेतक * www.kalsarpashanti.com Email: a.t.sarde@gmail.com

1) नारायण नागबली यह 3 दिन का विधी है।
2) त्रिपिंडी श्राद्ध यह 1 दिन का विधी है।
3) कालसर्प शांत यह 1 दिन का विधी है।

} यह तिनों विधी एक साथ करेंगे तो तिन दिनमें ही होते है।

(त्रिपिंडी श्राद्ध और कालसर्प शांत यह दोनो विधी एक साथ करेंगे तो एक दिनमेंही होते है।)

यह विधी नये वस्त्र परिधान करके ही पूजा होती है, इसलिए आप यहा आते समय १ धोती, १ अंगोछा (टॉवेल), १ साडी (काला और हरा रंग छोडकर), पेटीकोट, ब्लाऊज आदी वस्त्र और एक सोनेकी (सुवर्ण) नाग प्रतिमा साथमे लाए। सुवर्ण नाग प्रतिमा आप त्र्यंबकेश्वरमें भी खरीद सकते है।

धार्मिक विधकी दक्षिणा रु.   में पूजा मे बैठनेवाले एक या दो व्यक्तीयोंकी भोजन और निवास सुविधा का अंतर्भाव होता है, यदी जादा लोग आयेंगे तो उनका भोजन, निवास खर्च हर व्यक्ती के लिए अलगसे देना होगा।

कृपया निचे लिखे हुए नियमोंको ध्यानपूर्वक पढकर श्रद्धासे विधी के लिए आईए।

1) आपके कुटुंब/कुलमें (सगे और चचेरे) अगर किसीकी शादी, व्रतबंध या किसीकी मृत्यू हुई हो तो उसके बाद 6 महिने या 1 साल तक नारायण नागबली यह विधी नही कर सकते। यह नियम त्रिपिंडी श्राद्ध और कालसर्प शांती इन विधीयोंको बंधनकारक नही है।

2) भगीनीयोंकी महावारी (M.C. Period) के समय पुजा नही की जा सकती, अतः इस कालको टालकर ही यहाँ आने की कोशीश करे।

3) आपको दिए हुऐ मुहुर्तमें से आपकी सुविधा नुसार मुहुर्त निश्चित करके, हमारे मोबाईल नं. 9422268581 पर आपका नाम, पुजा का नाम, पुजा करनेकी तारीख यह जानकारी **SMS** द्वारा हमे भेजे या फोन करके इसकी जानकारी दे। मुहुर्त के एक दिन पहले शाम 6 बजेतक त्र्यंबकेश्वरमें रहने के लिए आपको आना होगा।

4) नासिक –त्र्यंबकेश्वर का रस्ता रात को सुनसान रहता है, अतः आप सुरक्षाकी दृष्टीसे शामको जल्दी आना उचित है।

5) रात 11 से सुबह 4 बजेतक हमारे निवास में किसी भी हालात में प्रवेश वर्जित है। अतः देरी होनेपर सुबह 5 बजे के बाद संपर्क करे।

6) उपरोक्त विधी के लिए पारिवारिक सब सदस्य उपस्थित होना जरुरी नही है। केवल सपत्निक अथवा अकेला पुरुष भी यह पुजा कर सकते है। माता पिता जिवीत होनेपर अविवाहीत पुरुष भी सब विधी कर सकते है।

7) यहाँ की भीड को ध्यान में रखकर पुजनके लिए बुजुर्ग, बिमार तथा विकलांग व्यक्तीयोंको साथ न लाए।

8) यहाँ थंड तथा बरसात अधिक मात्रा में होती है, अतः ऋतुकाल को ध्यानमें रखकर छाता, गरम कपडें, टॉर्च साथ लाऐ। नाश्ते की आवश्यकता हो तो प्याज और लहसून के बिना बनाया हुआ चिवडा, लड्डू साथ लाऐ तथा आप नियमित किसी दवा का सेवन करते हो तो वह दवाँ भी पर्याप्त मात्रा में साथ लाए।

9) गर्मी के दिनों मे यहाँ पानी की कमी होने के कारण कमसे कम लोंग आनेका प्रयास करे।

10) नासिक से त्र्यंबकेश्वर बसमें चढते समय या उतरते समय अपनी पर्स, पाकीट, पैसे तथा मौल्यवान वस्तुंओंका ध्यान रखे।

11) अपनी प्रायव्हेट गाडी से आनेवाले भाविक ध्यान रखे, त्र्यंबकेश्वर शहरसे 1 या 2 कि.मी. पिछे बाये हाथको श्री स्वामी समर्थ सेवा केंद्र इस नाम की कमान मेंसे (गेट से) रस्ता है, उस रस्ते का उपयोग करके आप हमारे घर तक पहुँच सकते है।

12) नशिले पदार्थ कों सेवन करके आनेवाले लोगोंकी पुजा विधी नही होगी।

13) विधी के चलते समय आपकी भोजन, निवास आदि की व्यवस्था करना हमारा कर्तव्य है इसी को ध्यान में रखकर पुजा विधी के अनुसार घरेलू व्यवस्था की जाती है, कृपया यहाँ पर लॉजींग या हॉटेल जैसी व्यवस्था की अपेक्षा ना करे। खुदका घर समझकरही दी जानेवाली सुविधा का स्विकार करे।

14) आप पुजा (मुहुर्त) के एक दिन पहले यहॉ आनेवाले है, इसलिए उस दिनकी भोजनकी व्यवस्था आपको खुद करनी है उसक नियोजन रखे।

15) आप त्र्यंबकेश्वरमें पहुँचने के बाद बीचमे आपको रिक्शावाले याँ अन्य कुछ लोग मीस गाईड कर सकते है, उनकी तरफ ध्यान देना नही, आपको दिए हुये हमारे पतेके उपर पहुँचना है।